आज का पुरुषार्थ 26 July 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" स्वयं को सम्पूर्ण करना है तो .. एक पल भी व्यर्थ न गंवाये .. समर्थ बने .. एक एक खजाने से स्वयं को भरपूर करते चले "*

बाबा हमारे पास आये और **सर्व खजानों की सौगात** लेकर आये। सुखों के खजाने लेकर आये, शान्ति के खजाने प्रदान किये। **स्वमान** की खजाने की हमें याद दिलाई।

खुशी का खजाना लाये, शक्ति लाये, **पवित्रता** का खजाना लाये, श्रेष्ठ संकल्पों का और **महान ज्ञान** का खजाना लाये। **पुण्य कर्म का खजाना** खोलने का हमें मार्ग दिखाया।

यह सभी खजाने हम जीतना जीतना स्वयं में **भरपूर** करेंगे, जन्म जन्म स्थूल खजानों से भी सम्पन्न रहेंगे और **सूक्ष्म खजानों** से भी तृप्त रहेंगे।

तो आईये हम स्वयं की झोली आगे बढ़ाये। बाबा हमारे खजाने भरने आये है। बुद्धि की झोली को खाली कर ले व्यर्थ से। देख ले हमने अपनी बुद्धि में क्या भर लिया है?

कहीं इतना तो नहीं भर लिया कि अपने परम **प्रियतम** के लिए भी जगह नहीं छोड़ी? जिसे हम बहुत प्यार करते थे, उसके लिए भी बुद्धि में स्थान नहीं छोड़ा?

खाली करे ... बाबा स्वयं भी हमारे बुद्धि में बैठेगा, और **सर्व खजाने** भी हमें प्रदान करेगा।

बाबा से सर्व खजाने लेकर हमें इन खजानों को सफल करना है। जीवन में बहुत बड़ी चीज़ है कि हर कदम पर हमें **सफलता** मिले। हर जन्म में सफलता हमारा **वरदान** रहे। सफलता **सहज**, थोड़े प्रयास से हमें हर पल प्राप्त हो।

इसके recording इसकी नूंध इस समय हम करते है .. सर्व ईश्वरीय खजानों को सफल करे।

संसार में भी जिसके पास खजाने होते है, चाहे **विद्या** (knowledge) का खजाना हो, चाहे धन का, चाहे अन्न का। जो उदार चित्त लोग होते है, वह दुसरों को **दान** करते है, उनकी मदद करते है।

हमें तो सबको देना है, क्योंकि सब हमारे अपने है। **हम पूर्वज है।** इष्ट देव देवियाँ है। हमें सबको खजाने लेऑआ है।

सुखों का खजाना

जीतना सुखी हम होंगे उतना दुसरों को सुखी कर सकेंगे।

शान्ति का खजाना

जितनी इस खजाने से हम भरपूर होंगे, हमारी दृष्टि वायब्रेशन्स और थोड़े से बोल दुसरों को शान्ति प्रदान करेंगी।

खुशी का खजाना

जीतना हम खुश रहेंगे उतना ही खुशी हम बाँट सकेंगे।

प्रसन्नता का खजाना

हमारा चित्त सदा प्रसन्न रहे। हम प्रसन्नता की पार्सोनालीटि से चमकते रहे। तो हमें देखते ही दुसरों के चित्त भी खुशी में नाच उठेंगे।

समय का खजाना

सफल करें समय के खजाने को। सफल करें संकल्पों के खजाने को। दोनों इम्परटैन्ट खजाने।

समय बहुत कीमती है। पुरुषोत्तम संगमयुग में जो मनुष्य अपने इस **अनमोल समय** को सफल करता है समय उसे हर जन्म प्रति पल सफलता दिलायेगा।

संकल्प का खजाना

संकल्प, यह बहुत सुन्दर खजाना है। जीवन को दिव्यता से भरपूर करता है। हम एक एक संकल्प ऐसा करे जो सफल हो। कोई भी व्यर्थ संकल्प न करे कि एक एक श्वांस भी व्यर्थ चला जाये।

एक एक संकल्प दुसरों को **सुख देने वाला**, एक एक संकल्प दुसरों के लिए शुभ भावनायें रखने वाला। एक एक संकल्प से ऐसे vibrations निकले, जिससे **जग का कल्याण हो।**

यह होगी हमारी संकल्प रुपी खजाने की सफलता।

तो हम इस खजानों से स्वयं को भरपूर करे। सफल करे, उन्हें दुसरों की सेवाओं में लगाये।

तो आज सारा दिन हम अभ्यास करेंगे ...

" यह संसार एक खेल है .. हार-जीत .. दुःख-सुख .. लाभ-हानि .. मान-अपमान का .. मुझे इसमें समान रहना है "

और ...

" मैं मास्टर ज्ञान सूर्य हूँ .. ज्ञान सूर्य शिवबाबा आखों के सम्मुख है .. सामने से उसकी शक्तियों की किरणें मुझ पर पड़ रही है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org